SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा से सम्बद्ध शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन

पूजा, पीएच–डी., **तनुजा,** एम.एड. शोधार्थी, शिक्षा संकाय
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर, अल्मोड़ा, उत्तराखंड, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors

पूजा, पीएच–डी.
तनुजा, एम.एड. शोधार्थी

E-mail : drpoojaeducation07@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 15/04/2025
Revised on : 16/06/2025
Accepted on : 25/06/2025
Overall Similarity : 00% on 17/06/2025

शोध सार

प्रस्तुत शोध में वर्णात्मक शोध की सर्वेक्षण प्रविधि के द्वारा बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। शोध में उत्तराखण्ड राज्य के सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा से सम्बद्ध शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत 120 शिक्षक प्रशिक्षुओं (60 शासकीय एवं 60 गैर शासकीय) का यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया। शोध उपकरण के रुप में एस. के. बावा व सुमनप्रीत कौर (2010) द्वारा निर्मित मानकीकृत मापनी (आयाम– स्वास्थ्य–सजगता, शैक्षिक–उन्मुखता, व्यवसायिक–उन्मुखता, सामाजिक–उन्मुखता, प्रचलन–उन्मुखता, पारिवारिक–उन्मुखता) द्वारा आकडों का संग्रहण किया गया। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया। शोध के परिणाम के अनुसार, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा से सम्बद्ध शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन–शैली के आयाम पारिवारिक–उन्मुखता में सार्थक अन्तर पाया गया तथा शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन–शैली के आयाम स्वास्थ्य–सजगता, शैक्षिक–उन्मुखता, व्यवसायिक–उन्मुखता, सामाजिक–उन्मुखता, प्रचलन–उन्मुखता, तथा समग्र जीवन–शैली में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। वही मध्यमान के अंकों के आधार पर जीवन–शैली के सभी आयामों के सन्दर्भ में शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन–शैली शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं से बेहतर पायी गयी।

मुख्य शब्द

शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थान, स्वास्थ्य–सजगता, शैक्षिक–उन्मुखता, व्यवसायिक–उन्मुखता, सामाजिक–उन्मुखता, प्रचलन–उन्मुखता.

प्रस्तावना

"हमने स्कूल में जो सीखा है वह सब भूलने के बाद जो याद रहता है, वही शिक्षा है, ज्ञान का निवेश सर्वोत्तम भुगतान करना है।" *– बेंजामिन फ्रैंकलिन*

शिक्षा किसी समाज में सदैव चलने वाली सादृश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास, उसके ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि एवं व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है, और इस प्रकार उसे सभ्य, सुसंस्कृत एवं योग्य नागरिक बनाया जाता है। मनुष्य क्षण प्रतिक्षण नए–नए अनुभव प्राप्त करता–करवाता है, जिससे उस का दिन–प्रतिदिन का व्यवहार प्रभावित होता है। संकुचित अर्थ में शिक्षा किसी समाज में एक निश्चित समय तथा निश्चित स्थान (विद्यालय, महाविद्यालय) में सुनियोजित ढंग से चलने वाली एक सादृश्य सामाजिक प्रक्रिया है। मानव जाति को अपनी प्रतिभा एवम् गरिमा को दोष रहित बनाए रखने हेतु प्रकृति द्वारा कुछ सुधार एवम् साधन उपलब्ध है, जब इन सुविधाओं एवं साधनों को राज्य, समाज एवं समस्त मानव जाति से भी मान्यता प्राप्त होती है तो यह अधिकारों का रूप धारण कर लेती है।

जीवन शैली शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग प्रसिद्ध ऑस्ट्रियाई मनोविश्लेषणवादी मनोवैज्ञानिक अल्फ्रेड ऐडलर (1870–1937) द्वारा किया गया। जीवन शैली अंग्रेजी के दो शब्दों LIFE तथा STYLE से मिल कर बना है जिसका अर्थ होता है "way one's leads hisèher life" अर्थात् जीवन को आगे बढ़ाना। जीवन शैली के लिए अंग्रेजी में अन्य शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है जैसे Everyday life, Way of Acting, Style of Living, Way of Life, Standard of Living।

व्यक्ति सदैव नए–नए व्यवहार सीखता रहता है तथा इनमें से कुछ आगे चलकर व्यक्ति की आदतें बनते हैं। किसी समय विशेष पर ये व्यवहार/आदत व्यक्ति के व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन जाते हैं। जीवन शैली परिवर्तन शील प्रत्यय है, क्योंकि इसे अर्जित किया जाता है इसलिए व्यक्ति या समूह के बदलते विचारों, क्रियाकलापों से जीवन शैली भी बदल जाती है। जीवन शैली अवलोकनीय है, व्यक्ति की आदतों, व्यवहारों, विचारों व क्रियाओं द्वारा इसे पहचाना जा सकता है। संस्कृति, परिवार तथा संदर्भ समूह व्यक्ति की जीवन शैली को प्रभावित करते हैं साथ ही साथ आधुनिकीकरण, पश्चिमीकरण, वैश्वी करण व सांस्कृतिकरण वृहद् स्तर पर जीवन शैली को प्रभावित करते हैं। सामाजिक वातावरण में व्यक्तियों के बदलते क्रियाकलापों एवम् व्यवहारों के अवलोकन द्वारा अनेक जीवन शैलियां दृष्टिगोचर होती हैं जैसे– सक्रिय जीवन शैली, स्वस्थ्य जीवन शैली, एकल जीवन शैली, ग्रामीण जीवन शैली, शहरी जीवन शैली, डिजिटल जीवन शैली इत्यादि।

जीवन शैली से सम्बन्धित शोध का अवलोकन

वानी एवं लक्ष्मी (2013) ने ए क्रॉसकल्चरल लाइफस्टाइल ऑफ कॉलेज स्टूडेन्ट्स शीर्षक पर शोध के निष्कर्ष में पाया गया कि छत्तीसगढ़ में रहने वाले कॉलेज विद्यार्थियों की जीवनशैली प. बंगाल के विद्यार्थियों की तुलना में बेहतर थी तथा शहरी लड़कियों की जीवन शैली ग्रामीण लड़कियों व शहरी व ग्रामीण लड़कों से बेहतर पाई गई।

मौहम्मद एवं अन्य (2015) ने इम्पैक्ट ऑफ लाइफस्टाइल ऑन ऐकेडमिक परफौरमेंस ऑफ मेडिकल स्टूडेंट्स एट यूनिवर्सिटी ऑफ ताबुक प्रकरण पर अपने शोध में पाया गया कि प्रतिदिन 6–9 घंटे सोना, सोशल मीडिया पर कम समय बिताना तथा सप्ताह के अंत में अध्ययन करना जैसे कारक उत्तम अकादमिक उपलब्धि से सहसंबंधित होते हैं।

रोहित एवं मकवाना (2015) के लाइफस्टाईलः ए कम्पेरिटीव स्टडी ऑफ द आर्ट एण्ड साइन्स कालेज स्टूडेन्ट नामक शीर्षक पर शोध में छात्रों की जीवन शैली का उनकी सामाजिक स्थिति, परिवार के प्रकार तथा धर्म के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

मित्तल एवं कुमारी (2017) ने उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की जीवन शैली का अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि कला एवं विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक–उन्मुखता जीवन शैली तथा चलन सम्बन्धी जीवन शैली में सार्थक अन्तर पाया गया। विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों की शैक्षिक उन्मुखता कला वर्ग से अधिक तथा कला वर्ग के प्रचलन सम्बन्धी जीवन शैली विज्ञान वर्ग से अधिक पाया गया। वहीं कला एवं विज्ञान वर्ग के स्वास्थ्य सजगता, कैरियर–उन्मुखता, सामाजिक–उन्मुखता तथा पारिवारिक–उन्मुखता के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

शोध समस्या कथन

"सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा से सम्बद्ध शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन।"

शोध का सीमांकन

प्रस्तुत शोध में बी.एड. प्रशिक्षुओं का चयन सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा से सम्बद्ध शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों से किया गया हैं।

शोध के उद्देश्य

1. बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की जीवन शैली का अध्ययन करना।
2. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं

$\mathbf{H_{01}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की स्वास्थ्य उन्मुखता संबंधी जीवनशैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$\mathbf{H_{02}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की अकादमिक उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$\mathbf{H_{03}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की करियर उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$\mathbf{H_{04}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की सामाजिक उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$\mathbf{H_{05}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की परिवार उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$\mathbf{H_{06}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की प्रचलन उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

$\mathbf{H_{07}}$ शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की समग्र जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

प्रस्तुत लघु शोध अध्ययन कार्य हेतु शोधकर्त्री ने विवरणात्मक विधि के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श का वितरण

प्रतिदर्श को निम्न स्वरूप में तालिकाबद्ध किया गया है।

क्र.सं.	शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान का प्रकार	योग
1	शासकीय	60
2	गैर शासकीय	60
	योग	120

शोध के चर

प्रस्तुत शोध में स्वतंत्र चर जीवनशैली तथा आश्रित चर बी.एड. प्रशिक्षण संस्थान का प्रकार है।

शोध में प्रयुक्त चरों की कार्यकारी परिभाषा

1. **जीवन शैली**– जीवन शैली से अभिप्राय व्यक्ति की रूचि, अभिरुचि, क्षमता, योग्यता, व्यवहार एवं स्वयं के जीवन जीने के तरीके से है, जिसमें व्यक्ति का दृष्टिकोण उसके विचारों में परिलक्षित होता है। प्रस्तुत शोध कार्य में जीवन शैली से अभिप्राय एस.के. बावा एवं एस.के. कौर द्वारा निर्मित जीवन शैली मापनी में बी.एड. प्रशिक्षुओं द्वारा प्राप्त प्राप्तांकों से है।

एस. के. बावा और एस. कौर शिक्षाविद्वों द्वारा कुछ विशिष्ट जीवन शैलियों को पहचाना गया है जिन्हें प्रमुखतः छः वर्गों में निम्न प्रकार वर्गीकृत किया हैः

1. **स्वास्थ्य केन्द्रित जीवन शैलीः** स्वास्थ्य केन्द्रित जीवन शैली से तात्पर्य जब व्यक्ति सदैव स्वयं को शारीरिक रूप से हष्ट–पुष्ट रखने के लिए चिंतित रहता है।
2. **अकादमिक उन्मुख जीवन शैलीः** इस प्रकार की जीवन शैली में व्यक्ति सदैव अपनी अकादमिक क्रियाओं में संलग्न रहता है।
3. **करियर उन्मुख जीवन शैलीः** किसी भी व्यक्ति को करियर उन्मुखी तब कहा जाता हैं जब वह सदैव अपने करियर के बारे में अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करने हेतु जिज्ञासु रहता है।
4. **सामाजिक उन्मुख जीवन शैलीः** जब व्यक्ति सदैव समाज के लिए भलाई करता है व सामाजिक क्रियाओं में भाग लेता है।
5. **चलन सम्बन्धी जीवन शैलीः** जब व्यक्ति जो सदैव नवीन चलन को अपनाता है व बदलते चलन के अनुसार अपने आप को जागरूक भी रखताहै।
6. **परिवार उन्मुख जीवन शैलीः** वह व्यक्ति जो सदैव अपने परिवार के संग संपर्क में रहता है एवं अपनी दैनिक जीवन से जुड़ी क्रियाओं को अपने परिवार के साथ बांटता है, परिवार उन्मुख जीवन शैली वाला कहलाता है। इस प्रकार से इन छः जीवन शैलियों के योग के रूप में संपूर्ण जीवनशैली भी प्राप्त होती है।

2. **एमएड. प्रशिक्षण संस्थानः** ऐसा शिक्षण स्थान जहां प्रशिक्षित अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक, व्यवसायिक अथवा क्रियात्मक गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम पढाया जाता हैं। प्रस्तुत शोध कार्य में संस्थान से अभिप्राय सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों से है। शासकीय संस्थान के अंतर्गत एस.एस.जे. परिसर अल्मोड़ा के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों से है, जबकि गैर शासकीय संस्थान के अंतर्गत मां पूर्णागिरी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों से हैं।

शोध उपकरण

जीवन शैली मापनी एस. के. बावा व सुमनप्रीत कौर (2010) द्वारा निर्मित मानकीकृत परीक्षण है।

उद्देश्य 1: शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली का अध्ययन।

तालिका 1: शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली की मध्यमान व मानक विचलन तालिका

क्रम सं.	जीवन–शैली के आयाम	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
1	स्वास्थ्य–सजगता	120	22.33	5.48
2	शैक्षिक–उन्मुखता	120	21.57	4.66
3	व्यवसायिक–उन्मुखता	120	25.08	4.72
4	सामाजिक–उन्मुखता	120	21.18	3.74
5	प्रचलन–उन्मुखता	120	19.39	4.44
6	पारिवारिक–उन्मुखता	120	33.30	5.28
7	कुल जीवन–शैली	120	141.53	15.53

तालिका में शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के जीवन शैली के सभी आयामों के माध्यमान एवं मानक विचलन को प्रदर्शित किया गया है– स्वास्थ्य–सजगता पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान क्रमशः 22.23 मानक विचलन क्रमशः 5.48 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की स्वास्थ्य सजगता उच्च स्तर की है। शैक्षिक उन्मुखता पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान क्रमशः 21.57 व मानक विचलन कमशः 4.66 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासनीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उन्मुखता उच्च स्तर की है। व्यवसाय उन्मुखता पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 25.08 व मानक विचलन 4.72 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की व्यवसाय उन्मुखता उच्च स्तर की है। सामाजिक उन्मुखता पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 21.18 व मानक विचलन 3.74 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक उन्मुखता उच्च स्तर की है। प्रचलन उन्मुखता पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 19.39 व मानक विचलन 4.44 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की प्रचलन उन्मुखता उच्च स्तर की है। पारिवारिक उन्मुखता पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 33.3 व मानक विचलन 5.28 है। उपरोक्त आयाम के मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की पारिवारिक उन्मुखता उच्च स्तर की है। समग्र जीवन शैली शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली के सभी आयामों के योग का मध्यमान 141.53 तथा मानक विचलन 15.53 है। उपरोक्त मध्यमान के अवलोकन से ज्ञात होता है कि शासकीय व गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली उच्च स्तर की है।

आरेख चित्र 1: बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों की जीवन–शैली के विभिन्न आयामों के मध्यमानों का विवरण।

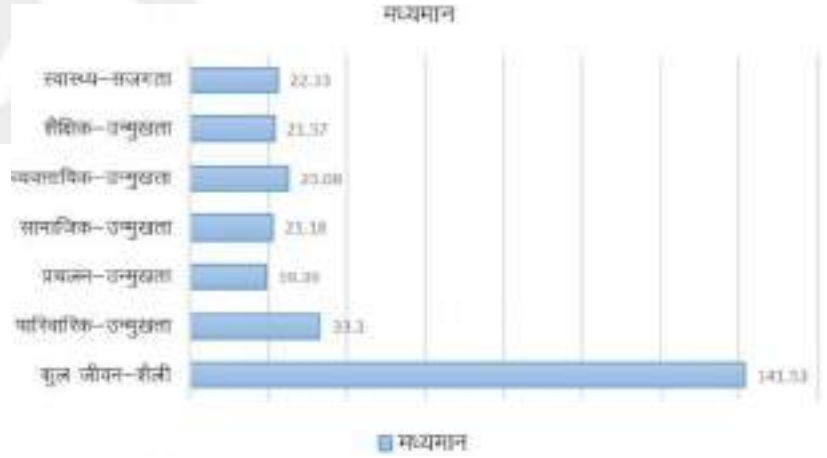

उद्देश्य 2: शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली का तुलनात्मक अध्ययन।

परिकल्पना 2: शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानोंमें अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 2: शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली में अंतर हेतु क्रान्तिक–अनुपात मान तालिका

क्रम सं०	जीवन–शैली के आयाम	निवास स्थान	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	स्वतंत्रता अंश	टी (t) प्राप्ताकं	परिणाम
1	स्वास्थ्य–सजगता	शासकीय	60	22.0	5.72	118	0.6478	असार्थक
		गैर शासकीय	60	22.65	5.27			
2	शैक्षिक–उन्मुखता	शासकीय	60	.21.07	4.67	118	1.1770	असार्थक
		गैर शासकीय	60	22.07	4.64			
3	व्यवसाय–उन्मुखता	शासकीय	60	24.77	5.17	118	0.7148	असार्थक
		गैर शासकीय	60	25.38	4.24			
4	सामाजिक–उन्मुखत	शासकीय	60	21.18	3.64	118	0.0243	असार्थक
		गैर शासकीय	60	21.17	3.88			
5	प्रचलन–उन्मुखता	शासकीय	60	19.53	3.78	118	0.3480	असार्थक
		गैर शासकीय	60	19.25	5.05			
6	पारिवारिक–उन्मुखत	शासकीय	60	31.27	5.21	118	2.1754	सार्थक * 0.05
		गैर शासकीय	60	33.33	5.20			
	समग्र जीवन शैली	शासकीय	60	139.82	17.43	118	1.4283	असार्थक
		गैर शासकीय	60	143.85	13.22			
* = ०.०५ स्तर पर सार्थक (t सार्थकता मान– १.९८)					** = ०.०१ स्तर पर सार्थक (t सार्थकता मान– २.६३)			

तालिका में शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली को सभी आयामों के मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात मानकों को प्रदर्शित किया गया है।

स्वास्थ्य सजगता पर बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों पर अध्ययनरत शासकीय एवं गैर शासकीय प्रशिक्षणार्थियों का मध्यामन क्रमशः 22.0 व 22.65 तथा मानक विचलन क्रमशः 5.72 व 5.27 है जो यह इंगित करता है कि बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों व गैर शासकीय संस्थानों के प्रशिक्षणार्थियों की स्वास्थ्य उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर प्राप्त क्रांतिक अनुपात मान 0.6478 है जो कि असार्थक हैं अर्थात् शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की स्वास्थ्य सजगता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः स्वास्थ्य सजगता के संदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शैक्षिक उन्मुखता– पर शासकीय एवं गैर शासकीय बी० एड० प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान क्रमशः 21.07 तथा 22.07 है तथा मानक विचलन क्रमशः 4.67 व 4.64 है, जो यह इंगित करता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उन्मुखता उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर प्राप्त क्रांतिक मान 1.1770 है, जो कि असार्थक है अर्थात् बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों शासकीय एवं गैर शासकीय प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक उन्मुखता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः शैक्षिक उन्मुखता के संदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। व्यवसाय उन्मुखता–पर शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 24.77 व 25.38 तथा मानक विचलन क्रमशः 5.17 व 4.24 है जो यह इंगित करता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. सस्थानों में अध्ययनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की व्यवसाय उन्मुखता उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर प्राप्त क्रांतिक अनुपात मान 0.7148 जो कि असार्थक है अर्थात् शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की व्यवसाय उन्मुखता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अतः व्यवसाय उन्मुखता के सदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। सामाजिक उन्मुखता–पर शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड.

प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 21.18 व 21.17 तथा मानक विचलन 3.64 व 3. 88 है जो यह इंगित करता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक उन्मुखता उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर प्राप्त क्रांतिक अनुपात मान 0.0243 जो कि असार्थक है अर्थात् शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सामाजिक उन्मुखता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः सामाजिक उन्मुखता के संदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। प्रचलन उन्मुखता– पर शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 19.53 व 19.25 है, तथा मानक विचलन 3.78 व 5.05 है जो यह इंगित करता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की प्रचलन उन्मुखता उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर क्रांतिक अनुपात मान 0.3480 जो कि असार्थक है अर्थात् शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की प्रचलन उन्मुखता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः प्रचलन उन्मुखता में संदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। पारिवारिक उन्मुखता पर शासकीय एवं गैर शासकीय बी० एड0 प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान क्रमशः 31.27 व 33.33 तथा मानक विचलन क्रमशः 5.21 व 5.20 है। जो यह इंगित करता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की पारिवारिक उन्मुखता उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर क्रांतिक अनुपात मान 2.1754 जो 0.05 सार्थक स्तर पर सार्थक पाया जाता है अर्थात् शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की पारिवारिक उन्मुखता में सार्थक अंतर है। अतः पारिवारिक उन्मुखता के संदर्भ में शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। समग्र जीवन शैली पर शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों के समग्र जीवन शैली का मध्यमान कमशः 139.82 व 143.85 तथा मानक विचलन 17.43 व 13.22 है, जो यह इंगित करता है कि शासकीय एवं गैर शासकीय प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली उच्च स्तर की है। स्वतंत्रता अंश 118 पर क्रांतिक अनुपात 1.4283 जो कि असार्थक है अर्थात् शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की जीवन शैली में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः जीवन शैली के संदर्भ में शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

आरेख चित्र 2: बी.एड. प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत् प्रशिक्षणार्थियों की जीवन–शैली के विभिन्न आयामों के मध्यमानों का तुलनात्मक विवरण।

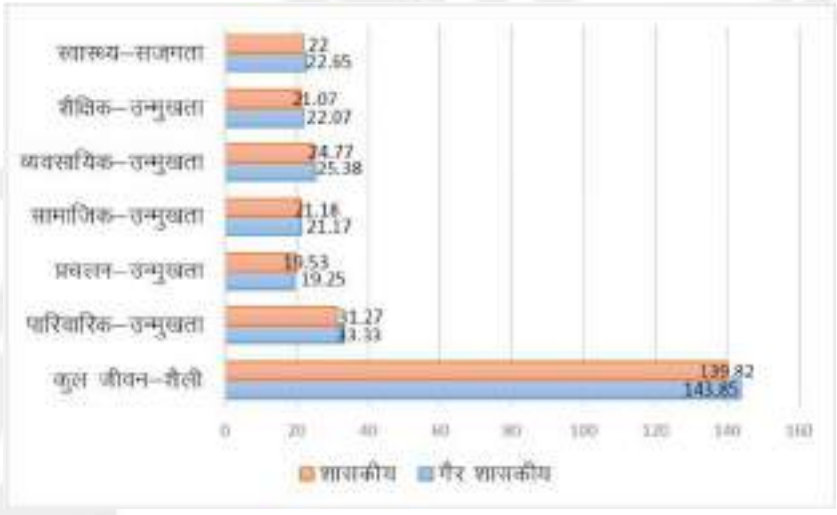

अध्ययन के परिणाम

शोध की परिकल्पनाएं

1. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की स्वास्थ्य उन्मुखता संबंधी जीवनशैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
2. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की अकादमिक उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

3. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की करियर उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
4. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की सामाजिक उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
5. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की परिवार उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर पाया गया।
6. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की प्रचलन उन्मुखता संबंधी जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
7. शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत् शिक्षक–प्रशिक्षुओं की समग्र जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष एवं विवेचना

शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक–प्रशिक्षुओं की समग्र जीवन शैली के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। बी.एड. शिक्षक–प्रशिक्षुओं जीवन–शैली के सभी आयामों में उन्मुखता बढते से घटते क्रम में क्रमशः इस प्रकार पायी गयी– पारिवारिक–उन्मुखता, व्यवसायिक–उन्मुखता, स्वास्थ्य–सजगता, शैक्षिक–उन्मुखता, सामाजिक–उन्मुखता व प्रचलन–उन्मुखता। शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं दोनों की जीवन शैली उच्च स्तर की पायी गई, किन्तु गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन शैली शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं से बेहतर पायी गई। शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन शैली के केवल पारिवारिक–उन्मुखता आयाम के मध्य सार्थक अन्तर पाया गया है। दोनों ही वर्गों की शिक्षक प्रशिक्षुओं की पारिवारिक–उन्मुखता उच्च स्तर की पायी गई, किन्तु गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की पारिवारिक उन्मुखता शासकीय शिक्षक प्रशिक्षुओं बेहतर पायी गई। शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की जीवन शैली के स्वास्थ्य सजगता, शैक्षिक उन्मुखता, व्यवसायिक उन्मुखता, सामाजिक उन्मुखता व प्रचलन उन्मुखता आयाम के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

शैक्षिक उपादेयता

उपरोक्त परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि, शासकीय एवं गैर शासकीय बी.एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक–प्रशिक्षुओं की समग्र जीवन शैली के सभी आयामों मे समग्र रूप से उन्मुख पाये गये वहीं बढ़ते से घटते उन्मुखता के क्रम के आधार पर कहा जा सकता है कि, बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षुओं को परिवार के प्रति उत्तरदायी, व्यवसाय के प्रति कौशलयुक्त जागरूकता, स्वास्थ्य के प्रति सजग, शिक्षा के प्रति वैज्ञानिक अभिवृत्ति, चलन के प्रति व्यापक सोच, समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक भावना रखने की आवश्यकता है।

सुझाव

प्रस्तुत शोध उत्तराखण्ड राज्य के सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शासकीय एवं गैर शासकीय बी. एड. संस्थानों में अध्ययनरत शिक्षक प्रशिक्षुओं की समग्र जीवन शैली पर किया गया है। भविष्य में भारत के अन्य राज्यों तथा अन्य जिलों के व्यक्तियों की जीवन–शैली का अध्ययन किया जा सकता है। शहरी, ग्रामीण, अतिदुर्गम व पर्वतीय क्षेत्रों, माध्यमिक स्तर, उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यायार्थियों तथा विद्यालय न जाने वाले व्यक्तियों की जीवन–शैली का भी अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची

1. कुमार, अनंत (2001) गरीबी और किशोरियों का स्वास्थ्य, *योजना,* 45 (10), 11–14।

2. दीक्षित, एस.; अग्रवाल, जी.; सिंह, जे.; कान्त, एस.; एवं सिंह, एन. (2011) अ स्टडी ऑन कॉनसीयसनैस ऑफ एडोलसैन्ट गर्ल्स अबाउट देयर बॉडी इमेज, *इण्डियन जर्नल ऑफ कम्यूनिटी मैडिसिन* वाल्यूम 36(3), पृ. 197–202.

3. वानी, एम.; एवं लक्ष्मी, डी. (2013) अ क्रॉसकल्चरल स्टडी ऑफ लाइफस्टाइल ऑफ कालेज स्टूडेंट्स, *जर्नल ऑफ कम्यूनिटी गाइडैस एण्ड रिसर्च,* 30(2), 260–272।

4. मित्तल, कविता; एवं कुमारी, यतेन्द्र (2017) उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की जीवन शैली का अध्ययन, *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 3(7), 137–141।

5. रोहित, विकास के.; एवं मकवाना, सुरेश एम. (2015) लाइफस्टाईल ए कम्पेरिटीव स्टडी ऑफ द आर्ट एण्ड साइन्स कालेज स्टूडेन्ट, *द इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इण्डियन साइकोलॉजी,* 2 (2), 45–52।

6. मौहम्मद, ओसामा एस.; अलयूसूफ, अब्दुल्लाह ए.; मिरघानी, हैदर ओ.; अहमद, मोहम्मद ए.; एवं इल्बदवी, अब्दुल्लातीफ एस. (2015) इम्पैक्ट ऑफ लाइफस्टाइल ऑन ऐकडमिक परफौरमेंस ऑफ मेडीकल स्टूडेंट्स एन यूनिवर्सिटी ऑफ ताबुक, *इण्डियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 5(7), 131–133।

7. मित्तल, कविता; एवं कुमारी, यतेन्द्र (2017) उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों की जीवन शैली का अध्ययन, *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 3(7), 137–141।

8. पूजा (2019) किशोरियों की जीवन–शैली का उनके निवास के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन, *रिसर्च रिव्युः इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिपलीनरी,* 4(2), 1927–1934।

9. मुछाल, महेश कुमार (2019) ग्रामीण एवं शहरी विद्यार्थी शिक्षकों की जीवन शैली का अध्ययन, *भारतीय आधुनिक शिक्षा,* जनवरी, 39(3), 71–77।

****